

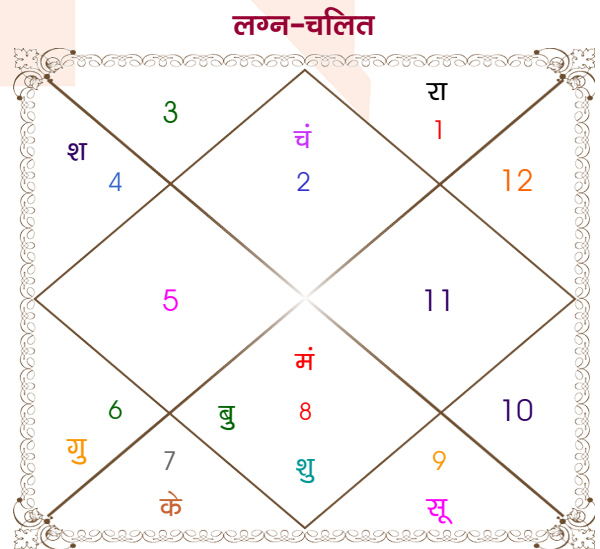
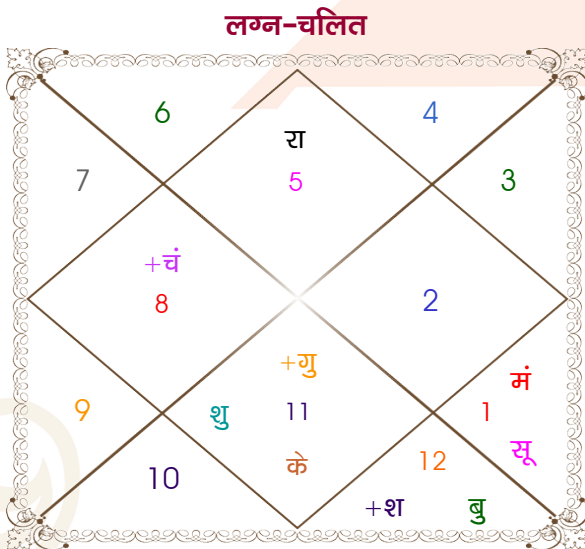


Model: Web-FreeMatching

Order No: 121561104

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
16/04/1998 :	जन्म तिथि	: 25/12/2004
गुरुवार :	दिन	: शनिवार
घंटे 14:50:00 :	जन्म समय	: 15:58:00 घंटे
घटी 21:34:06 :	जन्म समय(घटी)	: 21:41:31 घटी
India :	देश	: India
Nathdwara :	स्थान	: Kishangarh
24:56:00 उत्तर :	अक्षांश	: 27:52:00 उत्तर
73:49:00 पूर्व :	रेखांश	: 76:41:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:34:44 :	स्थानिक संस्कार	: -00:23:16 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:12:21 :	सूर्योदय	: 07:12:15
18:57:19 :	सूर्यास्त	: 17:34:51
23:49:52 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:55:28

विंशोत्तरी बुध 10वर्ष 6मा 16दि शुक्र 02/11/2015 02/11/2035	अंश 07:28:00 02:21:24 21:43:42 08:39:46 16:37:17 22:44:15 16:56:06 29:52:57 15:32:46 15:32:46 18:30:47 08:14:31 13:52:50	राशि सिंह मेष वृश्चि मेष मीन व कुंभ कुंभ मीन सिंह व कुंभ व मक मक वृश्चि व	ग्रह लग्न सूर्य चंद्र मंगल बुध गुरु शुक्र शनि व राहु व केतु व हर्ष नेप प्लूटो	राशि वृष धनु वृष वृश्चि वृश्चि कन्या कर्क मेष तुला कुंभ मक वृश्चि	अंश 18:00:47 10:03:16 27:03:10 05:54:56 18:24:46 22:41:05 16:58:00 01:30:18 06:14:17 06:14:17 09:44:32 19:42:45 28:33:30	विंशोत्तरी मंगल 5वर्ष 0मा 17दि राहु 12/01/2010 12/01/2028	राहु 24/09/2012 गुरु 17/02/2015 शनि 24/12/2017 बुध 13/07/2020 केतु 31/07/2021 शुक्र 31/07/2024 सूर्य 25/06/2025 चन्द्र 25/12/2026 मंगल 12/01/2028
---	--	---	---	--	--	--	---



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शुक्र	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.50		

Mr. का वर्ग मृग है तथा Ms. का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।
अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।
Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम् ।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा ।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।
क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।
Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।